IJ-1057

B.A. (Part - II)

Term End Examination, 2018

HINDI LITERATURE

Paper - II

हिन्दी निबन्ध तथा अन्य गद्य विधाएँ

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 75

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं। अशुद्ध लेखन पर अंक काटे जायेंगे।

1. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 21

(क) हिन्दू चूरन इसका नाम।
विलायत पूरन इनका काम॥
चूरन जब से हिन्द में आया।
इसका धन-बल सभी घटाया॥
चूरन ऐसा हट्टा-कट्टा।
कीना दाँत सभी का खट्टा॥
चूरन चला दाल की मण्डी।
इसको खायेंगी सब रण्डी॥
चूरन अमले सब जो खावे।
दूनी रिश्वत तुरंत पचावै॥
चूरन सहाब लोग जो खाता।
सारा हिन्द हजम कर जाता॥
चूरन पुलिस वाले जो खाते।
सारा कानून हजम कर जाते॥

अथवा

हमने जिन्दगी भर इबादत का ढिंढोरा पीटा, लेकिन खुदा के पास तक नही पहुँच सके। अगर पहुँच पाते तो चलते वक्त इतने गुनाहों का बोझ हमारे सर पर न होता। चलने का वक्त करीब आ रहा है। मुझे खुशी है कि आज जुमा है। हमने जिन्दगी भर इबादत कर यही चाहा कि जुमा हमारा आखिरी दिन हो।

(ख) मुझे लगता है कि बसंत भागता-भागता चलता है। देश में नहीं, काल में किसी का बसंत पन्द्रह दिन का, तो किसी का नौ महीने का। मौजी है, अमरूद। बारहों महीने इसका बसंत ही बसंत है।

अथवा

स्त्री पुरुष की असावधानी को, उसके अल्हड़पन को प्रेम करती है जिसमें वह अपने प्राण से भी सजग नहीं रहता, संकट से जूझता रहता है। जिसमें वह ऐसी गहरी नींद सोता है स्त्री को अवसर मिले कि उसे वह प्राण में उठा ले, आंखों में बंद कर ले। कल रात भर आप जागते रहे। अभी यह दशा है तो आगे क्या होगा?

(ग) बैर क्रोध का आचार या मुरब्बा है। जिसमें हमें दुख पहुँचा है यदि हमने क्रोध किया और यह क्रोध हमारे हृदय में बहुत दिनों तक टिका रहा तो वह बैर कहलाता है। इस स्थायी रूप में टिक जाने के कारण क्रोध का वेग और उग्रता तो धीमी पड़ जाती है, पर लक्ष्य को पीड़ित करने की प्रेरणा बराबर बहुत काल तक हुआ करती है। क्रोध अपना बचाव करते हुए शत्रु को पीड़ित करने की युक्ति आदि सोचने का समय प्राय: नहीं देता, पर बैर उसके लिए बहुत समय देता है।

अथवा

एक और तरह की सर्जरी है, जिसमें बिना चाकू के पेट काटा जा सकता है। वर्तमान सभ्यता में इस रक्तहीन सर्जरी ने काफी उन्नति की है। जो दस-पाँच के पेट काट सके उसका पेट बड़ा हो जाता है। वे सारे पेट उसके पेट में चिपक जाते हैं। इस विद्या के विद्यालयों में मुझे प्रवेश नहीं मिला, वरना मैं भी यह सर्जरी सीख लेता और पेट चढ़ा लेता।

2. ''अंधेर नगरी समसामयिक सन्दर्भ का जीवंत प्रहसन है।'' इस कथन के संदर्भ में 'अंधेर नगरी' की प्रासंगिकता पर विचार कीजिए। 12

अथवा

एकांकी के तत्वों के आधार पर 'औरंगजेब की आखिरी रात' का मूल्यांकन कीजिए।

3. 'क्रोध' या 'बसंत आ गया है' निबंध का सारांश लिखिए। 12

अथवा

''बेईमानी की परत पाठ में निहित व्यंग को परसाईजी की भाषा-शैली और अधिक धारदार बनाती है।'' इस कथन से अपनी सहमति अथवा असहमति को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 15

(क) महादेवी वर्मा के गद्य की भाषा
(ख) 'बसंत आ गया' निबंध का आशय
(ग) हबीब तनवीर का जीवन परिचय
(घ) 'बेईमानी की परत' में निहित व्यंग्य
(ङ) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के मनोविकार सम्बंधी निबंध
(च) 'मम्मी ठकुराइन' एकांकी का आशय

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पन्द्रह** के अति संक्षेप में उत्तर दीजिए : 15

(क) 'अतीत के चलचित्र' के रचयिता का नाम लिखिए।

(ख) 'मेरी लद्दाख यात्रा' के रचनाकार का नाम लिखिए।

(ग) 'भारत दुर्दशा' नाटक के रचनाकार कौन हैं ?

(घ) 'आगरा-बाजार' किसकी नाट्य रचना है ?

(ङ) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के प्रकाशित निबंध संग्रह का नाम लिखिए।

(च) 'पृथ्वीराज की आँखें' एकांकी संग्रह किसकी रचना है ?

(छ) बिसाखाराम और सुन्दरलाल किस एकांकी के पात्र हैं ?

(ज) हबीब तनवीर का जन्म किस शहर में हुआ था ?

(झ) 'अंधेर नगरी' में कुल कितने दृश्य हैं ?

(ञ) 'अंधेर नगरी' किसकी रचना है ?

(ट) 'एक दिन' एकांकी की स्त्री पात्र का नाम लिखिए।

(ठ) 'काव्येषु नाटकं रम्यम्' निबंध के लेखक का नाम लिखिए।

(ड) अपने निर्धारित पाठ्य-पुस्तक का नाम लिखिए।

(ढ) 'नाट्यशास्त्र' के लेखक का नाम लिखिए।

(ण) 'स्ट्राइक' एकांकी में कितने दृश्य हैं ?

(त) 'शीला' किस एकांकी की पात्र है ?

(थ) 'दस हजार' एकांकी के लेखक का नाम बताइए।

———